पाठ 7- साथी हाथ बढ़ाना

पष्ठृ संख्या:56

गीत केबारेमें

1. यह गीत किसिो सबोकितं है।

उत्तर

यह गीत मजदरोंू िोो सबोकितं है।

2. इस गीत िोी किन पकियोंं िोो तमु अपनेआसपास िोी क ंदगी मेंघटतेहएु देखसितेहो?

उत्तर

साथी हाथ बढ़ाना
एि अिे लाथि जाएगा, कमलिर बोझ उठाना
साथी हाथ बढ़ाना।
हम मेहनतवालों नेजब भी, कमलिर िदम बढ़ाया
सागर नेरस्ता छोड़ा, परबत नेसीस झिायाु
फौलादी हैंसीनेअपने, फौलादी हैंबाँहें
हम चाहेंतो चट्टानों मेंपैदािर देंराहें
उपयिु पकियोंं िोो हम अपनेआसपास, किसी िोायाुलयया िोंपनी मेंदेखसितेहैं।

3. 'सागर नेरस्ता छोड़ा, परबत नेसीस झिायाु' - साकहर नेऐसा क्यों िहा है? कलखो।

उत्तर

साकहर नेइन पकियों◌ं ि◌◌ो मनष्यु ि◌◌ेसाहस और कहम्मत ि◌◌ा पररणाम कदखानेि◌◌ेकलए ि◌हा है।मनष्यु जब मेहनतिरना शरू◌ु ि◌रता हैतो सागर भी अपना रास्ता छोड़ देतेहैंऔर पवुतभी झिु जातेहैं यानी बड़ेसेबड़ेमसीबतु भी हल हो जातेहैं।इसी कहम्मत ि◌◌ेि◌◌ारण मनष्यु नेसागर चीर पलों◌ु ि◌◌ा कनमा◌ुणकिया और पहाड़ों पर भी राहेंबनायीं हैं।

4. गीत मेंसीनेऔर बााँहिो फ़ौलादी क्यों ि◌हा गया है?

उत्तर

सीना मनष्यु ि◌◌ी मजबतू इच्छाशकि ि◌◌ो कदखता हैऔर ि◌◌ायों ि◌◌ो परा◌ू ि◌रनेि◌◌ा सािि◌न हाथ ही है इसकलए गीत मेंसीनेऔर बााँहिो फ़ौलादी ि◌हा गया है।

भाषा की बात

1. • अिे लाचना भाड़ नहीं फोड़ सिता।

• एि और एि कमलिर ग्यारह होतेहैं।

(ि◌) ऊपर कलखी ि◌हावतों ि◌◌ा अथुगीत ि◌◌ी किन पकियों◌ं सेकमलता-जलता◌ु है?

(ख) इन दोनों ि◌हावतों ि◌◌ा अथुि◌हावत-ि◌◌ोश मेंदेखिरसमझो और वाक्य ि◌◌ेसदभुंमेंउनिा प्रयोग ि◌रो।

उत्तर

(ि◌) ऊपर कलखी ि◌हावतों ि◌◌ा अथुगीत ि◌◌ी कनम्न पकियों◌ं सेकमलता-जलता◌ु है-

• साथी हाथ बढाना

एि अिे लाथि जाएगा, कमलिर बोझ उठाना
साथी हाथ बढाना।

हम मेहनतवालों नेजब भी, कमलिर ि◌दम बढाया

सागर नेरस्ता छोडा, परबत नेसीस झिाया◌ु

फौलादी हैंसीनेअपने, फौलादी हैंबााँहें
हम चाहेंतो चट्टानों मेंपैदाि◌र देंराहें
साथी हाथ बढाना।

• एि सेएि कमल तो ि◌तरा, बन जाता हैदररया
एि सेएि कमलेतो राि◌ु, बन जाता हैसेहरा
एि सेएि कमलेतो राई, बन जाता हैपवुत
एि सेएि कमलेतो इसााँ◌ं,बस मेंि◌र लेकिस्मत
साथी हाथ बढाना।

(ख)) अिे लाचना भाड़ नहीं फोड़ सिता (अिे लाव्यकि सारी मसीबतोंि◌ु ि◌ि◌ा सामना नहीं सिता) - रोहन नेऑकफस सारा ि◌ि◌ाम खदु ि◌रना चाहा परन्तुअसफल रहा, सच ि◌हा गया हैअिे लाचना भाड़ नहीं फोड़ सिता।

(ग) एि और एि कमलिर ग्यारह होतेहैं(एिता मेंताि◌ित होती है) - इस ि◌ि◌ाम ि◌ि◌ो कमलजलिरु ि◌र किया जाए तो यह सभवं हैक्योंकि एि और एि कमलिर ग्यारह होतेहैं।

2. नीचेहाथ सेसबंधितं कुछ मुहावरेधिए हैं।इनकेअथथसमझो और प्रत्येकमुहावरेसे वाक्य बनाओ -

(ि◌) हाथ ि◌ि◌ो हाथ न सझनाि◌ू (अि◌ाि◌ँि◌ि◌ेराहोना) - कबजली चली जानेपर ि◌मरेमेंहाथ ि◌ि◌ो हाथ नहीं सझू रहा था।

(ख) हाथ साफ़ ि◌रना (चोरी ि◌रना) - मौि◌ि◌ा कमलतेही चोर नेपसुपर अपना हाथ साफ़ ि◌र कदया।

(ग) हाथ-पैरफूलना (डर सेघबरा जाना) - सााँपदेखलेनेसेउसिेहाथ-पैरफूल गए।

(घ) हाथों-हाथ लेना(स्वागत िरना) - िम्पनी ि ा नया सामान कनिलतेही लोगों नेउसेहाथों-हाथ कलया।

(ड) हाथ लगना (अचानि ि ुछ कमल जाना) - रास्तेमेंरोकहत ि ो सोनेि ी चेनहाथ लग गयी।